

जनसंपर्क कार्यालय  
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

28 अक्टूबर 2021

प्रेस आमंत्रण

**जामिया का 101 वां स्थापना दिवस समारोह: वीसी ने किया प्रदर्शनी का उद्घाटन और पुस्तकों का विमोचन**

जामिया मिल्लिया इस्लामिया का 101<sup>वां</sup> स्थापना दिवस समारोह आज कुछ पुस्तकों के विमोचन और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापक एवं संरक्षक नामक एक प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ शुरू हुआ। जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर, जामिया के पूर्व वीसी और समारोह के मुख्य अतिथि सैयद शाहिद मेहदी द्वारा विश्वविद्यालय के डॉ जाकिर हुसैन पुस्तकालय में द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। स्वर्गीय शफीक उर रहमान किदवई के पुत्र जनाब सादिक उर रहमान किदवई पुस्तकों के विमोचन और उद्घाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि थे, जिसमें रजिस्ट्रार डॉ नाजिम हुसैन अल जाफरी, विश्वविद्यालय के डीन, शिक्षक और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के डॉ. जाकिर पुस्तकालय एवं प्रेमचंद अभिलेखागार एवं साहित्य केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अब तक के सभी जामिया संरक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रदर्शनी में और संस्थापकों के साहित्य, दुर्लभ तस्वीरें और अन्य अभिलेखीय सामग्री प्रदर्शित की गई है।

अपने संबोधन के दौरान कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने महामारी के दौरान आने वाली चुनौतियों के बावजूद बौद्धिक कार्यों को सामने लाने के लिए सभी लेखकों को बधाई दी। उन्होंने कहा-यह सभी बाधाओं के बावजूद अपने बौद्धिक प्रयासों को जारी रखने के लिए उनकी गहरी रुचि, ईमानदार प्रयासों और समर्पण की मात्रा को दर्शाता है।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ तारिक अशरफ ने अपने स्वागत भाषण में जोर देकर कहा कि जामिया ने पिछले 3 वर्षों के दौरान लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और कठिन परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद लगातार सफलता हासिल की

है। यह शीर्ष रैंकिंग वाले वैश्विक विश्वविद्यालय के रूप में उभरा है और विश्वविद्यालय की ब्रांड इक्विटी में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। पुस्तकालय हर उपयोगकर्ता तक पहुंचने और सर्वोत्तम संभव संसाधन और सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहा है।

डॉ. सबिहा जैदी, निदेशक, प्रेमचंद अभिलेखागार और साहित्य केंद्र ने पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने जामिया से संबंधित बहुमूल्य चीजों को संरक्षित करने में प्रेमचंद आर्काइव की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और इन प्रकाशनों के लेखकों को उनके कार्यों के महत्व पर विचार-विमर्श करने के लिए आमंत्रित किया।

डॉ. शाहिद मेहदी ने लेखकों के कार्यों पर अपने विचार साझा किए और जोर देकर कहा कि ये पुस्तकें लेखकों का बहुमूल्य योगदान हैं।

सत्र का समापन डॉ. नाजिम हुसैन अल-जाफरी, रजिस्ट्रार, जामिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

समारोह के दौरान जारी की गई पुस्तकों का विवरण:

1. पुस्तक- तहरीक-ए आज़ादी और क़यामे-ए जामिया: सरवरुल हुदा और प्रो सबीहा जैदी प्रेमचंद अभिलेखागार और साहित्यिक केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा प्रकाशित द्वारा संपादित, शफीक उर रहमान किदवई, जामिया के उन पूर्व छात्र में से एक हैं जिनका जामिया के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है, यह पुस्तक उनके पत्र और निबंध संकलन के महत्वपूर्ण काम पर आधारित है।
2. पुस्तक -मेरी . दो दरसगाहें जामिया के पुराने छात्रों में से एक, गुलाम हैदर द्वारा लिखी गई हैं। यह पुस्तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रारंभ के इतिहास और विकास पर एक अनुकरणीय कार्य है।
3. पुस्तक- प्रेमचंद पुस्तक के शाहकार अफसाने का संपादन डॉ. सैयद मोहम्मद आमिर ने किया। यह पुस्तक प्रेमचंद के कार्यों में महिलाओं के चित्रण के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालती है।
4. प्रो अतीकुर रहमान और अन्य, भूगोल विभाग, जेएमआई द्वारा संपादित सस्टेनेबल डेवलपमेंट एनवायरनमेंटल इश्यूज एंड सेल्फ सस्टैंड सोसाइटी नामक पुस्तक वर्तमान पर्यावरणीय संकट को देखते हुए एक मूल्यवान कार्य है। यह

सतत विकास और महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों के विचार में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। .

5. डॉ. जाकिर हुसैन पुस्तकालय जामिया के पूर्व छात्रों द्वारा लिखित पुस्तकों की एक ग्रंथ सूची लेकर आया है जिसका शीर्षक बिब्लीओग्राफी ऑफ़ जामिया कलेक्शन है। उपयोगकर्ताओं के लाभ के लिए डॉ. जाकिर हुसैन पुस्तकालय द्वारा किया गया उल्लेखनीय प्रयास है।

इससे पूर्व, ललित कला संकाय के शिक्षकों द्वारा कार्यों की एक आभासी अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसमें आठ देशों और भारत के 27 केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों की कलाकृतियां शामिल हैं। शो का टाइटल '**इन कॉन्टिनम: चिसेलिंग द माइंड**' है।

प्रदर्शनी में 101 कलाकारों की कृतियों को शामिल किया गया है क्योंकि विश्वविद्यालय 101 वां स्थापना दिवस मना रहा है। यह प्रदर्शनी विरासत के सम्मान के साथ निरंतरता, और आलोचनात्मकता, की एक नई शुरुआत के रूप में संख्या 101 या वन-जीरो-वन सभी पहलुओं और संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करती है। इस प्रदर्शनी में पेंटिंग, ग्राफिक प्रिंट, मूर्तिकला, डिजिटल प्रिंट, चित्र, फोटो, वीडियो कला और वैचारिक कलाकृतियां शामिल हैं।

वर्चुअल प्रदर्शनी के साथ-साथ नई दिल्ली के कलाकारों की कृतियों को विश्वविद्यालय के एमएफ हुसैन आर्ट गैलरी में प्रदर्शित किया जाएगा और इसका उद्घाटन कल सुबह 9.30 बजे कुलपति प्रो नजमा अख्तर हुसैन आर्ट गैलरी द्वारा किया जाएगा। सुबह 11 बजे प्रख्यात भारतीय कलाकार अंजलि इला मेनन भी सभी कलाकारों के साथ बातचीत करेंगी। इस अवसर पर एक कैटलॉग भी जारी किया जाएगा।

जनसंपर्क कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया